भारत एक कृषि प्रधान देश है और आज भी हमारी अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा आधार खेती ही है। हमारे देश की लगभग 55 प्रतिशत से अधिक आबादी सीधे तौर पर कृषि और उससे जुड़े हुए कार्यों पर निर्भर करती है। पिछले 10 सालों में भारत ने कृषि के क्षेत्र में बहुत बड़े और महत्वपूर्ण बदलाव देखे हैं जिनका सीधा फायदा देश के लगभग 12 करोड़ किसानों को मिल रहा है। आज हमारा देश अनाज उत्पादन के मामले में पूरी दुनिया में दूसरे स्थान पर आता है और हर साल लगभग 330 मिलियन टन से अधिक खाद्यान्न का उत्पादन कर रहा है। गेहूं चावल और गन्ने के उत्पादन में हम लगातार नए 100 रिकॉर्ड बना रहे हैं। सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में 15 से 20 प्रतिशत तक की भारी वृद्धि की है जिससे उन्हें अपनी फसल का सही और उचित दाम मिल सके। इसके साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत हर साल 11 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में 6000 रुपये की आर्थिक सहायता सीधे जमा की जा रही है। अब तक इस योजना के माध्यम से लगभग 3 लाख करोड़ रुपये किसानों तक पहुंचाए जा चुके हैं। आधुनिक तकनीक और नई मशीनों के आने से खेती का काम अब पहले से 40 प्रतिशत ज्यादा आसान और तेज हो गया है। आज देश के 60 लाख से अधिक किसान अपने खेतों में ड्रिप सिंचाई और स्प्रिंकलर जैसी नई तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं जिससे पानी की 50 प्रतिशत तक बचत होती है और फसल की पैदावार भी 30 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के तहत अब तक 23 करोड़ से अधिक कार्ड किसानों को बांटे जा चुके हैं जिनमें उनकी खेत की मिट्टी की पूरी जांच रिपोर्ट होती है। इससे किसान यह जान पाते हैं कि उन्हें अपने खेत में कितनी और कौन सी 4 प्रकार की खाद डालनी है जिससे उनका 10 से 15 प्रतिशत खर्च बच जाता है। जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए भी देश में 30000 से अधिक नए क्लस्टर बनाए गए हैं जहां 15 लाख से ज्यादा किसान बिना किसी रासायनिक खाद के बिल्कुल शुद्ध और प्राकृतिक तरीके से खेती कर रहे हैं। इस तरह की जैविक फसलें बाजार में 25 प्रतिशत ज्यादा कीमत पर बिकती हैं। ग्रामीण इलाकों में खेती के साथ साथ पशुपालन भी रोजगार का एक बहुत बड़ा साधन बन चुका है। भारत आज पूरी दुनिया में दूध उत्पादन में नंबर 1 पर है और हमारी कुल हिस्सेदारी 24 प्रतिशत से भी अधिक है। देश में हर दिन 60 करोड़ लीटर से ज्यादा दूध का उत्पादन होता है जिससे डेयरी से जुड़े 8 करोड़ किसानों की जिंदगी में बहुत खुशहाली आई है। इसके अलावा मछली पालन के क्षेत्र में भी 10 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई है। सरकार ने मछुआरों के लिए 20000 करोड़ रुपये की एक विशेष योजना शुरू की है जिससे उनके काम में आने वाली हर 1 परेशानी को दूर किया जा सके। किसानों को उनकी फसल का सही दाम दिलाने के लिए देश की 1361 मंडियों को राष्ट्रीय पोर्टल से जोड़ दिया गया है जहां किसान अपने मोबाइल फोन से ही 1000 किलोमीटर दूर बैठे व्यापारी को अपनी फसल बेच सकते हैं। आज 2 करोड़ से ज्यादा किसान इस ऑनलाइन पोर्टल का इस्तेमाल करके अपना व्यापार कर रहे हैं। भारत के अलग अलग 28 राज्यों में 50 से अधिक कृषि विश्वविद्यालय और 700 से ज्यादा विज्ञान केंद्र खोले गए हैं